

हरियाणा में सबसे कम लगानुपात दरज

चर्चा में क्यों?

हरियाणा सरकार के अनुसार, [कन्या भ्रूण हत्या](#) के लिये बदनाम हरियाणा का [जनम के समय लगानुपात \(SRB\)](#) आठ वर्षों में अपने सबसे नचिले स्तर पर पहुँच गया है।

मुख्य बदि

- हरियाणा में लगानुपात में गरिावट:
 - हरियाणा में 2024 के पहले 10 महीनों के लिये लगानुपात 905 दरज कथिा गया, जो वर्ष 2022 से 11 अंकों की गरिावट है।
 - यह 2016 के बाद से सबसे कम आँकड़ों में से एक है, जो राज्य के लिये लगातार चुनौती का संकेत देता है।
- सबसे कम लगानुपात वाले जिले:
 - गुरुग्राम: 859
 - रेवाड़ी: 868
 - चरखी दादरी: 873
 - रोहतक: 880
 - पानीपत: 890
 - महेंद्रगढ़: 896
 - हरियाणा [वशिव सवास्थय संगठन](#) द्वारा अनुशंसति आदर्श लगानुपात 950 से नीचे बना हुआ है।
 - गुरुग्राम के खराब परदर्शन के लिये आंशकि रूप से जून से अगस्त 2024 के दौरानराज्य पोर्टल पर तकनीकी समस्याओं को जमिमेदार ठहराया गया, जसिके परणामस्वरूप जन्म पंजीकरण कम हुए।
- बेटी बचाओ, बेटी पढाओ अभयान का परभाव :
 - हालाँकि, वर्ष 2020 में फरि से गरिावट शुरू हुई और यह परवृत्तआज भी जारी है।
 - वर्ष 2015 में शुरू कथि गए [“बेटी बचाओ, बेटी पढाओ”](#) अभयान ने वर्ष 2019 तक लगानुपात को बढ़ाकर 923 कर दथिा।
- सामाजकि एवं सांस्कृतकि चुनौतथियाँ:
 - हरियाणा में सामाजकि-आर्थकि कारकों और सांस्कृतकि मानदंडों के कारण [बेटों को प्राथमकिता](#) दी जाती है।
 - परवारों को बेटथियों के भाग जाने से संभावति अपमान का डर रहता है, दहेज का बोझ लगता है तथा लड़कथियों से सीमति आर्थकि लाभ की आशंका रहती है।
- लगी वरीयता का अंतर-राज्य परभाव:
 - दलिली, उत्तर परदेश, पंजाब और राजस्थान जैसे पड़ोसी राज्य कथति तौर पर कम कड़े नथिमों के कारण हरियाणा के नवासथियों को अवैध लगी आधारति गर्भात के लिये आकर्षति करते हैं।
 - इन राज्यों में अल्ट्रासाउंड ऑपरटर कभी-कभी वतितीय लाभ के लिये भ्रूण के लगी की गलत जानकारी देते हैं।
- लगी परीक्षण का परवर्तन और चुनौतथियाँ:
 - वर्ष 2005 से अब तक हरियाणा में अवैध लगी नरिधारण पर अंकुश लगाने के लिये लगभग 1,200 छापे मारे गए हैं, लेकिन सफलता दर में गरिावट आ रही है, क्योंकि जाँचकर्त्ता अधिक सतर्क हो गए हैं।
- लगी असंतुलन के सामाजकि परणाम:
 - वषिम लगानुपात के कारण हरियाणा में कई पुरुषों को ववाह योग्य साथी ढूँढने में कठनाई होती है तथा कुछ गाँवों में तो सैकड़ों अववाहित पुरुष पाए गए हैं।
 - कुछ परवारों में [उपेक्षा और कुपोषण](#) लड़कथियों को असमान रूप से परभावति करते हैं, जसिके परणामस्वरूप स्वास्थय संबंधी समस्याएँ या असमय मृत्यु हो जाती है।

कन्या भ्रूण हत्या एवं शशु हत्या:

- भारत में कन्या भ्रूण हत्या की दर वशिव में सबसे अधिक है।
- कन्या भ्रूण हत्या का कारण पुत्र पराप्तकी परबल चाह, दहेज परथा तथा उत्तराधिकारी की पतिवंशीय आवश्यकता है।
- 2011 की जनगणना में 0-6 वर्ष आयु वर्ग में अब तक का सबसे कम लगानुपात 914 दरज कथिा गया है, जसिमें 30 लाख लड़कथियाँ लापता हैं; वर्ष

2001 में यह 78.8 मिलियन से बढ़कर वर्ष 2011 में 75.8 मिलियन हो गया ।

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/haryana-records-lowest-sex-ratio>

